मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 271, मुंबई, बुधवार, 1 जनवरी, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

गुंडा राज बर्दाश्त नहीं करेंगे: सीएम

सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड मामले में फडणवीस की सख्त चेतावनी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीड के मासाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का 9 दिसंबर को अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। सरपंच ने बीड जिले में एक पवन ऊर्जा कंपनी से जबरन वसूली किए जाने की कोशिश का विरोध किया था जिसके चलते उनकी हत्या की गई थी। इस मामले को लेकर राज्य में जमकर सियासत हो रही है। विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ दलों के भी कुछ नेता इस हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन कर रहे है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने देशमुख के भाई से टेलीफोन पर बात की और उन्हें आश्वासन दिया कि मामले में न्याय होगा। साथ ही उन्होंने मंगलवार को चेतावनी दी कि बीड में 'गुंडा राज' बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

संतोष देशमुख हत्याकांड में सामने आया आरोपी वाल्मिक कराड, सीआईडी के सामने कर दिया सरेंडर

बीड में संतोष देशमुख हत्याकांड में सीआईडी ने एक बड़ा दांव खेल कर आरोपी मंत्री धनंजय मुंडे के सहयोगी वाल्मिक कराड के सामने कोई मौका नहीं छोड़ा। इसके चलते संतोष देशमुख हत्याकांड में शामिल आरोपी वाल्मीक कराड ने आत्मसमर्पण कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी एवं बीड जिले में एक सरपंच की हत्या से जुड़े जबरन वसूली के मामले में वांछित वाल्मिक कराड ने मंगलवार को पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस के पास जाने से पहले कराड ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें उसने आत्मसमर्पण करने की घोषणा करते हुए दावा किया कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण हत्या के मामले में उसका नाम जोड़ा जा रहा है।

कांग्रेस ने नितेश राणे को लगाई लताड़

पीएम मोदी से की मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे के मिनी पाकिस्तान वाले बयान पर सियासी संग्राम मच गया है। राज्य के नेताओं के साथ-साथ अब राष्ट्रीय दल के नेताओं ने भी नितेश राणे और भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाजवादी पार्टी के अबू आजमी से लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन तक ने नितेश राणे को जमकर लताड़ लगाई। अब इस मामले में कांग्रेस ने भी नितेश राणे की आलोचना की है और कार्रवाई की मांग की है। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने गत रविवार को पुणे जिले की पुरंदर तहसील में एक रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया था कि केरल मिनी पाकिस्तान है। आतंकवादियों ने पहले राहुल गांधी को वोट दिया और अब उनकी बहन प्रियंका गांधी को वोट दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

समस्या का दायरा बड़ा

उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती की तमाम परीक्षाओं पर संदेह का साया घिरा हुआ है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या इन्हें अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बनना लाजिमी है।

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की संयुक्त (प्रारंभिक) परीक्षा में शामिल हुए छात्र दोबारा इम्तहान की मांग को लेकर जिस ढंग से जान दांव पर लगाए हुए हैं, उसके कारणों को समझना बेहद जरूरी है। इसके दो प्रमुख आयाम हैः पहला यह कि उत्तरी राज्यों में सरकारी नौकरियों में भर्ती के होने वाली तमाम परीक्षाओं की संदिग्ध हो चुकी है। पेपर इतनी बार लीक हुए हैं या गड़बड़ियों के आरोप में इन्हें इतनी बार अदालतों ने रद्द किया है कि परीक्षाओं को लेकर अविश्वास का माहौल बना चुका है। दूसरा पहलू समाज में अच्छे रोजगार के अवसरों का बेहद सिकुड़ जाना है। इस कारण सरकारी नौकरियां ही स्थिर करियर का एकमात्र आश्वासन रह गई हैं। बिहार एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां निजी कारोबार में सम्मानजनक काम पाने की गुंजाइशें बेहद सीमित हैं, वहां इन नौकरियों को लेकर मारामारी मचने की मिसालें और भी ज्यादा देखने को मिल रही हैं। पटना की सड़कों पर बिहार के विभिन्न इलाकों से आए सैकड़ों छात्र दो हफ्तों से कड़ी ठंड के बीच बीपीएसी परीक्षा को दोबारा आयोजित करने की मांग इसलिए कर रहे हैं, क्यों उन्हें पेपर लीक का शक है। छात्रों ने परीक्षा में कई दूसरी तरह की अनियमितताओं के आरोप भी लगाए हैं। इनमें प्रश्न पत्र के स्तरहीन होने और कोचिंग संस्थानों के मॉडल सवालों के मेल खाने के इल्जाम शामिल हैं। आरोप है कि कई केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा और जैमर काम नहीं कर रहे थे। कुछ केंद्रों पर प्रश्न पत्र देरी से वितरित किए गए। परीक्षा से कुछ समय पहले भी ये छात्र पटना में इकट्ठा हुए थे। तब उनकी मांग थी कि सारे राज्य में एक ही दिन, एक ही समय, और एक ही प्रकार के प्रश्न पत्र पर इम्तहान लिया जाए। विरोध को देखते हुए अलग-अलग केंद्रों पर अलग परीक्षा आयोजित करने का इरादा बिहार लोक सेवा आयोग ने तब टाल दिया था। मगर परीक्षा के बाद दूसरे संदेह खड़े हुए। तो अब छात्रों की चिंताओं पर सहानुभूति से गौर किया जाना चाहिए। उन पर लाठी-डंडा या ठंडे पानी की बौछार चलाना कोई समाधान नहीं है, जैसाकि रविवार को हुआ।

बिहार में1646मदरसा को अनुदान दिए जाने के लिए किया गया संघर्ष जनता दल यूनाइटेड और राष्ट्रीय जनता दल के मुस्लिम नेता सहित मदरसा शिक्षकों की कोई फरियाद को नहीं सुनी: कारी जमशेद कटीहारी

मुंबई हलचल/मो सालिम आजाद

मधुबनी, 2,459+1 कोटि के 814 अनुदानित मदरसा को अनुदान मिल जाने के बाद बचे हुए, 1646 मदरसा को अनुदान दिये जाने के लिए किया गया संघर्ष! 1646 *6 शिक्षक मे काफी शिक्षक ने बिहार सरकार से ग्रांट जारी करने के लिए पटना का दौरा किया और मंत्री, विधायक, jdu के मुस्लिम नेता सहित राजद के सभी नेता की चौखट पर दस्तक दिया यहाँ तक की तेजस्वी यादव, अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान, खालिद अनवर के दरवाजे की धूल को माथे पर लगा लिया ये 1646 के मदरसा शिक्षक! कई बार गर्दनीबाग में अपनी माँग को लेकर धरना प्रदर्शन भी किया पुलिस की मार भी खाई और कुछ साथी होस्पिटल में भी दाखिल हुए पुलिस की मार लगने के कारण jdu ऑफिस का घेराव भी किया गया लेकिन ये मुस्लिम समाज विरोधी नीतीश कुमार की सरकार इन मदरसा शिक्षक की कोई भी फर्याद को नही सुनी और अब तक अनुदान जारी नही किया गया इतने लम्बे अरसे बाद काफी संघरशील साथी थक गए और अब वो अपने जीवन यापन के लिए किसी न किसी काम में लग गए और वो लोग अब इन

मदरसा के अनुदान देगी नीतीश सरकार ये भूल गए! इस में से कुछ साथी दलाली करने लगे और इन्ही 1646 मदरसा शिक्षक को ठगने का काम करने लगे मदरसा बोर्ड के नाम पर, जिला DEO ऑफिस के नाम पर, शिक्षा विभाग के नाम पर, तो पटना में काम कराने के नाम पर काफी रुपया ठगा और अपना महल बना लिया और ये 1646 के बाकी मदरसा शिक्षक का जमीन, जेवर, बिकती रही! और धीरे धीरे ये लोग भी इधर उधर रुपया लगाना छोर दिया! मदरसा बोर्ड, शिक्षा विभाग, और सरकार ने भी इन मदरसा शिक्षक के साथ दोगली पॉलिसी खेली तीन, तीन बार जाँच के नाम पर जीना हराम कर दिया और आरवो रुपया का खेल खेला गया जिला के DEO ऑफिस में! अब सभी लोग खामोस है! सिर्फ एक चेहरा आज भी संघर्ष जारी रखे हुए हैं वो कारी जमसैद कटीहारी है अपनी पूरी दुनियादारी को छोर कर अब तक 1646 मदरसा को अनुदान दिये जाने के लिए संघर्ष जारी रखे हुए हैं! अभी एक मदरसा से जूरी हुई तंजीम जिनका सोहरत पूरे प्रदेश में है जो तंजीम मदरसा से जूरी हुई कई समस्या का समाधान सरकार से हल निकालने की छमता रखती है और अभी भी कई मांगों के लिए सरकार पर दवाव बनाए हुए हैं वो टीम MDO है आज कारी साहब उन्ही टीम के साथ 1646 मदरसा को अनुदान दिये जाने की माँग चल रहे हैं MDO ने भी वादा किया है कि किसी भी हाल में, 1646 मदरसा के काम को अंजाम तक पहुंचाएगी! दुआ किजिए अल्लाह कारी जमसैद साहब को सेहत और हौसला दे! और जयदाः से जयदाः लोगों उन का सहयोग करे! आप का भाई मो० असमतुल्लाह!

नववर्ष पर विशेष

हावी रहा स्वार्थ का जाल, सच कहता मैं बीता साल

मैं 2024 अब आपके जीवन से हमेशा के लिए चला गया हूं, लेकिन मुझे इस बात का बहुत दुख हमेशा रहेगा कि आपने मेरे आगमन की खुशी में जो वादा किया था, उससे आप पूरी तरह से मुकर गए ,मुझ बीते 2024 की नजर में जिसकी एक मात्र वजह आपका स्वार्थ ही है, जिसके आधार पर मैं कह सकता हूं आपकी वजह से ही सामाजिक जीवन में लगातार हिंसा, अन्याय, असभ्यता, घृणा और झूठ पहले की तरह ही बरकरार है। सत्य अक्सर आज भी दम तोड़ता ही दिख रहा है।

मेरे यानी बीते 2024 के मेरे कालखंड में देश का मध्यम वर्ग जिस तरह से नफरत और झूठ के पीछे खड़ा रहा, वह वाकई बेहद निराशाजनक है। सत्य काफी हद तक सिमट गया है और इस पर यकीन करने और इस पर चलने वाले लोग भी अब ना के बराबर रह गये हैं।

मैं आपका बीता साल 2024 आपसे यह भी कहने से नहीं चूकना चाहता कि मीडिया और धार्मिक नेतृत्व दोनों ही एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था और उसके बचाव में मुखर हो गए हैं जो निहायत बेशर्मी से कपट, साजिश और बांटने वाले कामों में लिप्त हैं। मैंने यानी आपके बीते हुए इस साल 2024 ने अपने पूरे कालखंड में यह भी देखा कि संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोग न केवल नैतिकता खोते जा रहे हैं बल्कि उनमें निष्पक्षता की भावना भी खतरनाक हालातों तक कमजोर होती जा रही है।

मैं 2024आपको यह भी बताना चाहता हूं कि मेरे पूरे समय में न्यायालय के फैसलों पर भी कई सवाल उभरे, खास तौर से निचली अदालतों के फैसले काफी सवालों के घेरे में रहे ,लेकिन इसके विपरीत मुझ 2024 को खुशी इस बात की भी है कि मैंने अपने इस कालखंड में लोकतांत्रिक भावना और व्यवहार की मजबूती के लिए आवश्यक एक सक्रिय और मजबूत विपक्ष का उदय होते हुए भी देखा। इसके फलस्वरूप शायद संविधान को और कमजोर होने से फिलहाल तो बचा लिया गया है, लेकिन आजादी, समानता, न्याय और बंधुत्व के बुनियादी मूल्य फिलहाल गहरे खतरे से बाहर अब भी नहीं माने जा सकते, क्योंकि बीते हुए मुझ 2024 को ऐसा लगता है कि धर्म अपनी बहुलता आधारित आध्यात्मिकता और सूक्ष्म दृष्टि से निरंतर दूर होता ही जा रहा है। मेरी नजर में आस्था की जगह कर्मकांड ने ले ली है ,जिसे एक चका चौंध तमाशा के अलावा कुछ नहीं कहा जा सकता।

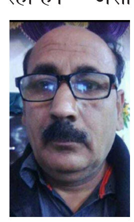

जैसा कि मैं 2024 ने अपने पूरे समय में यह भी स्पष्ट रूप से अनुभव किया कि शिक्षा जगत की स्वायत्तता भी बहुत निराशा जनक तरीके से कम होती जा रही है, जिसकी वजह से ही ज्ञान को हाशिये पर धकेलने वाले भी अपने लाभदायक इरादे में सफल हैं। मतलब अज्ञानता को सामाजिक रूप से सुदृढ़ किया जा रहा है। मुझ 2024 को अपने ही समय में यह भी देखने को मिला कि वैश्विक भूख सूचकांक रैंकिंग में अपने देश भारत की हालत चिंता जनक होने की हद तक बेहद खराब हो गई है।

हो सकता है कि बहुत से लोग सहमत ना हो फिर भी मैं 2024 डंके चोंट पर यह भी दावा करता हूं कि देश की लगभग 50 फीसद संपत्ति 5 फीसद आबादी के पास है। यही नहीं वेतनभोगी वर्ग के 50 फीसद लोगों को अपनी आय में 13 फीसद की कमी की पीड़ा भी झेलनी पड़ रही है। जिससे निराशा का भाव भी आत्मघाती हालात तक खतरनाक हो चुका है। फिर भी मैं चाहूंगा कि हमारे आपके नए साथी 2025 का कालखंड कुछ ऐसा हो, जिससे हम निराशा में पड़ने से बच सकें। मैं आपका बीता हुआ 2024 हालातों के विपरीत यह भी भरोसा दिलाना चाहता हूं कि एक समय आएगा जब पापों के बोझ से नफरत और झूठ की इमारत भरभराकर अवश्य ही गिर जाएगी। बेशक अभी सच हाशिये पर दम तोड़ता दिख रहा हो लेकिन आखिर में जीत आपके सत्य पूर्ण आचरण की ही होगी। ईश्वर, अल्लाह तथा गॉड से प्रार्थना और इबादत करता हूं कि मैं 2024 तो आपके जीवन से हमेशा के लिए चला गया हूं लेकिन हमारा और आपका आ चुका नया साथी 2025 देश और समाज के हित में आपके हर इरादे को अवश्य ही सफल बनाएं। नहीं किसी का भय हो मतलब नव वर्ष मंगलमय हो।

प्रस्तुति - सुनील बाजपेई
(कवि, गीतकार, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार), कानपुर उत्तर प्रदेश।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

नागपुर में अंतरराज्यीय बाइक चोर गैंग का भंडाफोड़

40 वाहन जब्त, 5 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

नागपुर। नागपुर में पिछले कुछ दिनों से बाइक चोरी के मामले अचानक बढ़ गए है। इससे लोगों में भय का माहौल है। घर में रखी बाइक भी सुरक्षित नहीं है। इससे पुलिस प्रशासन भी सवाल उठ रहे है। ऐसे में पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड किया है। नागपुर पुलिस ने मेयो हॉस्पिटल और आसपास में दोपहिया वाहन चोरी की बढ़ती वारदातों की सघन जांच की और 5 आरोपियों वाली अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड किया। आरोपियों के पास से 40 बाइक बरामद की गई है जिनकी कीमत करीब 13 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपियों में मध्यप्रदेश के छिंदवाडा जिले का रोहित गुनाराम चंद्रपुरी (34), अमित कैलाश अहेके (19),

नीरज शिवकुमार नागवंशी (21), दिनेश उर्फ दीपक कुमार वित्तु कुमरे (19) और बैतुल जिला निवासी रोहित बंसीलाल नागले (25) का नाम शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से 40 दोपहिया वाहन बरामद हुए। वे इन चोरी के वाहनों को छिंदवाड़ा के ग्रामीण इलाकों में बेचते थे। पुलिस ने इन आरोपियों के खिलाफ नागपुर शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 16 चोरी के मामले, तहसील पुलिस थाना अंतर्गत 8, मानकापुर में 4, सीताबर्डी में 2 और कोराडी तथा धंतोली में एक-एक चोरी का खुलासा किया। इसके अलावा, मध्यप्रदेश के हबीबगंज, भोपाल और अन्य क्षेत्रों में भी इन आरोपियों के खिलाफ चोरी के 5 मामले दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, रोहित और अमित ट्रेन या बस से पहले मध्य प्रदेश से नागपुर आते थे। यहां शहर के विभिन्न हॉस्पिटल सहित भीड़भाड़ वाले इलाकों को टारगेट कर दोपहिया वाहन चोरी करते थे। फिर वही वाहन चलाते हुए मध्यप्रदेश लेकर जाते थे। जहां उनके नंबर बदल दिए जाते थे और उन्हें अपने ऑटो डील का काम करने वाले साथी नीरज को बेच देते थे। पुलिस ने सिर्फ नीरज से ही 25 दोपहिया वाहन बरामद किए। जांच जारी है।

अकोला पुलिस को मिली दोहरी सफलता, 10 किलो गांजा किया जब्त

मोबाइल चोर भी हुआ गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

अकोला। अकोला पुलिस को दोहरी सफलता हासिल हुई है। एक ओर जहां पुलिस ने गांजा जब्त किया। तो वहीं दूसरी ओर एक मोबाइल चोर को भी धर दबोचा है। अकोला के सिविल लाइन पुलिस थाने की सीमा में स्थानीय अपराध शाखा अकोला की टीम ने एक व्यक्ति से 2 लाख 55 हजार 500 रुपये की कीमत का 10 किलो गांजा जब्त किया है। स्थानीय अपराध शाखा, अकोला की टीम को गुप्त जानकारी मिली कि सिविल लाइन पुलिस थाने की हद के शास्त्री नगर इलाके में एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में गांजा बेच रहा है। इस जानकारी पर छापा मारते हुए आरोपी दिलशाद खान हसीब खान (33) निवासी ग्राम डोरिया, पोस्ट चन्नी, तहसील बायसी, जिला पूर्णिया, राज्य बिहार, हाल निवासी चारुलता काले मेमोरियल आईएमए हॉल के सामने, अकोला, को अमली पदार्थ गांजा के साथ पकड़ा गया। आरोपी के पास से कुल 10 किलो 22 ग्राम गांजा जिसकी कीमत अनुमानतः 2 लाख 55 हजार 500 रुपये है, जब्त किया गया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे आगे की प्रक्रिया के लिए सिविल लाइन पुलिस की हिरासत में दिया गया। इस कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक बच्चन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक शंकर शेलके, सहायक पुलिस

निरीक्षक विजय चव्हाण, पुलिस उपनिरीक्षक गोपाल जाधव, पुलिस उपनिरीक्षक माजिद पठान, पुलिस कर्मी दशरथ बोरकर, राजपाल सिंह ठाकुर, गणेश पांडे, सुल्तान पठान, भास्कर धोत्रे, गोकुल चव्हाण, रविंद्र खंडारे, अब्दुल माजिद, महेंद्र मलिये, वसीमुद्दीन, प्रशांत कमलाकर, अक्षय बोबडे, अंसार अहमद, स्वप्निल खेडकर, आकाश मानकर, अभिषेक पाठक, भीमराव दिपके ने मिलकर अंजाम दिया।

मोबाइल बेचने वाला युवक गिरफ्तार

वहीं दूसरी ओर अकोला रेलवे स्टेशन परिसर में चोरी के दो मोबाइल फोन बेचने की तैयारी कर रहे एक युवक को अकोला रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। रेलवे पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, परेश नांदुरकर (23) निवासी साई नगर अमरावती ने अकोला रेलवे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी

रेलवे प्लेटफॉर्म से चोरी हुआ था मोबाइल

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अकोला से अमरावती जाने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर दो पर पहुंचा और वहीं सो गया। इसी दौरान, उसके ट्राउजर में रखे दो मोबाइल फोन किसी ने चुरा लिए, जिनकी कीमत 40 हजार रुपये है। इस रिपोर्ट के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि अकोट रोड स्थित संकुल में एक युवक मोबाइल फोन बेच रहा है। इस सूचना के आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक पंकज ढोके के मार्गदर्शन में पुलिस ने अकोट रोड स्थित मौलाना आजाद चौक संकुल में एक युवक को पकड़ा।

आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा

शेख रईस शेख रफिक (28) नामक युवक से पूछताछ की गई तो उसने रेलवे स्टेशन परिसर से मोबाइल चोरी करने की बात कबूल की। उसके कब्जे से पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिए हैं। न्यायालय में पेश किए जाने पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इसके अलावा पुलिस ने बिहार के कटिहार जिले के निवासी मकसूद आलम किडवा (19) को भी हिरासत में लेकर उसके पास से 9 हजार रुपये का चोरी किया गया मोबाइल बरामद किया है।

कैबिनेट मंत्री एँड. मंगल प्रभात लोढ़ा को गनपति बप्पा की प्रतिमा प्रेम स्वरूप भेंट देकर सममानित करते हुए मलबार हिल भाजपा मंडल उपाध्यक्ष व विशेष कार्यकारी अधिकररी उदय लाड व अन्य भाजपा पदाधिकारी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'गुंडा राज बर्दाश्त नहीं करेंगे'

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मैंने दिवंगत संतोष देशमुख के भाई से बात की और उनसे कहा कि उन्हें चिंता नहीं करनी चाहिए। जब तक दोषियों को फांसी नहीं हो जाती, पुलिस अपना काम करती रहेगी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बीड के सरपंच हत्या मामले में शामिल सभी लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। हम गुंडा राज बर्दाश्त नहीं करेंगे। जो लोग कानून को अपने हाथ में लेने या निवासियों से जबरन वसूली करने की कोशिश करेंगे, उन्हें सख्त परिणाम भुगतने होंगे। पुलिस फिलहाल उन संदिग्धों की तलाश कर रही है जो फरार हैं। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हम उन्हें ढूंढ निकालेंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि मामले में शामिल सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए, सभी दोषियों को पकड़ लिया जाएगा। कराड के खिलाफ क्या आरोप लगाए गए हैं, इस बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि पुलिस संदिग्धों के खिलाफ आरोपों और सबूतों पर जानकारी देगी। अपराध जांच विभाग बिना किसी बाहरी दबाव के मामले को संभाल रहा है। वाल्मीक कराड द्वारा उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित कार्रवाई के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि अगर कोई सबूत है, तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, मैं राजनीति नहीं कर रहा। संतोष देशमुख के हत्यारों को सजा मिलनी चाहिए। यह मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस ने नितेश राणे को लगाई लताड़

कांग्रेस ने मंत्री नितेश राणे के विवादित बयान को लेकर मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राणे के बयान पर थोड़ी भी शर्मिंदगी है तो उन्हें राणे की तत्काल बर्खास्तगी सुनिश्चित करनी चाहिए। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह दावा भी किया कि केरल ने भाजपा को आज तक स्वीकार नहीं किया है और कभी करेगा भी नहीं। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि भाजपा समय-समय पर केरल के खिलाफ जहर उगलने के लिए अपने नफरत फैलाने वाले नेताओं को आगे करती है। मिनी पाकिस्तान जैसे शब्दों का इस्तेमाल दर्शाता है कि उनके मन में केरल के लोगों के प्रति कितनी गहरी दुश्मनी है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पूरी दुनिया के लिए केरल एक मॉडल राज्य है जो मानव विकास सूचकांक, विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सभी पहलुओं में लगातार शीर्ष पर रहा है। केरल सभी धर्मों और संप्रदायों के बीच सांप्रदायिक सद्भाव तथा भाईचारे का प्रतीक रहा है। वेणुगोपाल ने दावा किया कि समतावाद, समावेशिता और सामाजिक न्याय की वकालत करने वाले श्री नारायण गुरु, चट्टंबी स्वामीकल और महात्मा अय्यंकाली की भूमि के लिए अपमानजनक भाषा का उपयोग करना इस बात का प्रतीक है कि भाजपा अपने ही देश के नागरिकों के प्रति किस तरह की उपेक्षा का भाव रखती है। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी राणे के बयान पर थोड़ा भी शर्मिंदा हैं तो उन्हें राणे की तत्काल बर्खास्तगी सुनिश्चित करनी चाहिए। कांग्रेस नेता कहा कि केरल के लोगों ने भाजपा को अस्वीकार कर दिया है और वे कभी भी उसे स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि वह इस राज्य के सौहार्दपूर्ण माहौल की सुंदरता को नहीं समझती।

खबर संक्षेप

यू-टर्न, अब शिमला में नहीं लगेगा यूरिन शुल्क

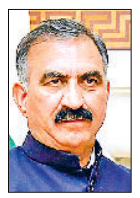

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला में नगर निगम ने सार्वजनिक शौचालयों में पुरुषों से 5 रुपए यूरिन शुल्क लेने के फैसले को वापस ले लिया है। शौचालयों में पुरुषों से यूरिन शुल्क लेने के फैसले पर खासा बवाल मच गया था और नगर निगम की फजीहत हो रही थी, जिसके बाद नगर निगम के मेयर सुरेंद्र चौहान ने शुल्क न लेने की बात कही।

रेलवे की आज से बदल गई समय सारिणी

नई दिल्ली। रेलवे ने एक जनवरी 2025 से रेलवे ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव कर दिया। 31 दिसंबर की रात्रि 12 बजे के बाद यह समय सारिणी लागू हो गई। पिछले साल रेलवे ने ऑल इंडिया टाइम टेबल ट्रेन एट ए ग्लांस जारी किया था। 2025 में रेल मंत्रालय की योजना सभी वंदे भारत ट्रेनों, अमृत भारत ट्रेनों और वंदे मेट्रो को टाइम टेबल में शामिल किया है।

गोकशी कर रहे युवक की मॉब लिंचिंग

मुरादाबाद। पश्चिम यूपी में मुरादाबाद के हिंदू बहुल मंडी समिति इलाके में एक मुस्लिम युवक की गोकशी के शक में पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में तनाव फैल गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद मंगलवार सुबह भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच युवक के शव का उसके परिवार के सदस्यों द्वारा अंतिम संस्कार करा दिया है।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर को लगी गोली

मुरादाबाद। मुरादाबाद पुलिस ने दो चरस तस्करों को गोली मारकर गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से करीब 5 किलो चरस बरामद हुई है। पुलिस ने दोनों को रोकने की कोशिश की तो दोनों ने गोली चलाना शुरू कर दी। जिसमें पुलिस कर्मी बाल-बाल बच गए।

आज या कल बनेगा 250 किमी लंबा ग्रीन कॉरिडोर

कंटेनरों के साथ पुलिस, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा क्विक रिस्पांस टीम चलेगी

यूका के जहरीले कचरे के 'कंटेनरों' का मूवमेंट जीपीएस से होगा मॉनिटर

केंद्र सरकार की ओवर साइट कमेटी के निर्देशों एवं सुपरविजन के अनुसार यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट (जहरीला कचरे) के विनष्टीकरण की कार्रवाई की जा रही है

ये मामला दिल्ली तक जा पहुंचा है, वहां मानवाधिकार कार्यकर्ता इसके विरोध में जुट रहे हैं

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

यूनियन कार्बाइड के बाकी बचे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्दी ही इस कचरे को बड़े कंटेनरों के जरिए पीथमपुर भेजकर उसे नष्ट किया जाएगा। इसे 12 कंटेनरों में सुरक्षित तरीके से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पीथमपुर भेजा जाएगा। यह कॉरिडोर आज या कल बनाया जा सकता है।

इन कंटेनरों के साथ पुलिस सुरक्षा बल, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा क्विक रिस्पांस टीम रहेगी। यह कंटेनर लीक प्रूफ एवं फायर रेजिस्टेंट हैं। प्रति कंटेनर 2 प्रशिक्षित ड्राइवर नियुक्त किए गए हैं। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास स्वतंत्र कुमार सिंह ने 'हरिभूमि' को बताया कि केंद्र सरकार की ओवर साइट कमेटी के निर्देशों एवं सुपरविजन के अनुसार इन कंटेनरों का मूवमेंट को जीपीएस से मॉनिटर किया जाएगा।

> भोपाल से पीथमपुर तक बनेगा ग्रीन कॉरिडोर, पूर्ण सुरक्षा के साथ 12 कंटनरों से किया जाएगा परिवहन

> 10 मीट्रिक टन अपशिष्ट विनिष्टिकरण का ट्रायल रन 2015 में किया गया था

धार जिले के पीथमपुर में है एकमात्र प्लांट

सिंह ने बताया कि मप्र में औद्योगिक इकाइयों में निकलने वाले रासायनिक तथा अन्य अपशिष्ट के निष्पादन के लिए धार जिले के पीथमपुर में एकमात्र प्लांट है, जहां पर भस्मीकरण से अपशिष्ट पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाता है। यह प्लांट प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित उद्योगों से जनित खतरनाक एवं रासायनिक अपशिष्ट के सुरक्षित निष्पादन के लिए स्थापित किया गया है। यह प्लांट सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा निर्देशानुसार संचालित है। सीपीसीबी की मॉनिटरिंग में सभी निर्धारित पैरामीटर अनुसार सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए 10 मीट्रिक टन अपशिष्ट विनिष्टिकरण का ट्रायल रन 2015 में किया गया। शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का निष्पादन सुप्रीम कोर्ट तथा हाईकोर्ट से समय-समय पर पारित आदेशों के अनुक्रम में तथा हाईकोर्ट से गठित ओवर साइट कमेटी, टास्क फोर्स कमेटी के निर्णय 19 जून 2023 के अनुक्रम में किया जा रहा है।

देश में पीथमपुर जैसे 42 संयंत्र

पीथमपुर में अत्याधुनिक बुनियादी ट्रीटमेंट, स्टोरेज एवं डिस्पोजल फेसिलिटी (टीएसडीएफ) अनुसार वर्ष-2006 से अन्य संस्थाओं के अपशिष्ट का भस्मीकरण ठीक उसी प्रकार से किया जा रहा है, जैसे लगातार क्रियाशील यूसीआईएल में अपशिष्ट संग्रहित हैं। देश में पीथमपुर जैसे 42 संयंत्र क्रियाशील हैं, जिसमें ऐसे रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का उपचार उपरांत निपटान किया जाता है।

हानिकारक तत्व पानी अथवा वायु में नहीं पाए गए

इस सुविधा के जरिए लगातार जल एवं वायु मापन कार्य किया जाता है। यह सुविधा खतरनाक कचरे को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित निपटाने और प्राकृतिक संसाधनों को दूषित करने के जोखिम को कम करने के लिए विशिष्ट समाधान प्रदान करती है। संचालक सिंह ने बताया कि सीपीसीबी से 2015 में किए गए यूसीआईएल अपशिष्ट विनिष्टिकरण के ट्रायल रन के दौरान उत्सर्जन मानक, राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाए गए थे। यूसीआईएल कचरे के निष्पादन के बाद किसी तरह के हानिकारक तत्व पानी अथवा वायु में नहीं पाए गए।

---

19 दिसंबर को संसद में घायल हुए थे सारंगी

राहुल गांधी ने नेता विपक्ष नहीं बाउंसर की तरह किया व्यवहार

फाइल फोटो

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रताप चंद्र सारंगी ने कहा है कि राहुल गांधी नेता विपक्ष बनने के लिए उपयुक्त नहीं हैं, बल्कि वे एक बाउंसर हैं। संसद में 19 दिसंबर को हुई हाथापाई के बाद घायल हुए और अस्पताल में भर्ती कराए गए सारंगी ने कहा कि वह अब तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं और उन्हें 28 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

उन्होंने एक बार फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उनके व्यवहार को लोकसभा में विपक्ष के नेता के पद के लिए उपयुक्त होने के बजाय बाउंसर बताया है। यह पद कभी अटल बिहारी वाजपेयी जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों के पास था। 19 दिसंबर की संसद हाथापाई की घटना को याद करते हुए, सारंगी ने कहा, यह तब हुआ जब हम (भाजपा सांसद) एक प्रवेश द्वार के पास खड़े थे, शांतिपूर्वक तख्तियां लिए हुए अंबेडकर के अपमान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अचानक राहुल गांधी अपनी पार्टी के कुछ साथियों के साथ आए और लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने लगे। वह लोकसभा में विपक्ष के नेता की तरह नहीं, बल्कि एक बाउंसर की तरह व्यवहार कर रहे थे, जिस पद पर कभी वाजपेयी जी जैसे महान व्यक्तित्व रहते थे। सारंगी ने दावा किया कि गेट के पास राहुल गांधी के लिए बिना किसी व्यवधान के गुजरने के लिए पर्याप्त जगह थी। उन्होंने कहा कि गांधी ने सामने खड़े सांसद मुकेश राजपूत को धक्का दे दिया। राजपूत मेरे ऊपर गिर गए और मेरा सिर संभवतः किसी पत्थर जैसी वस्तु के कोने से टकराया, जिससे चोट लग गई। बीजेपी सांसद ने आगे कहा कि जब किसी ने उन्हें घटना की जानकारी दी तो राहुल गांधी मेरे पास आए लेकिन वह बिना कोई वास्तविक चिंता दिखाए तुरंत चले गए।

फिलहाल नहीं रुक रहा स्मारक विवाद का मुद्दा

डॉ. सिंह के स्मारक पर दिल्ली में छिड़ी जंग

दिल्ली में संजय गांधी का तो स्मारक है लेकिन पूर्व पीएम वीपी को नहीं दिया गया कोई स्थान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

संजय किसी बड़े ओहदे पर नहीं थे

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर काफी विवाद हुआ। कांग्रेस ने मांग की कि मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए केंद्र सरकार को दिल्ली में जगह देनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि निगम बोध घाट पर मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार करना देश के पहले सिख प्रधानमंत्री का अपमान है। सिंह के स्मारक को लेकर विवाद बढ़ने पर केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री का स्मारक शांति वन में जवाहरलाल नेहरू के बगल में जहां संजय गांधी का स्मारक है, वहां बनाया जा सकता है। सिंह के स्मारक को लेकर हुए विवाद के बीच कहा जा रहा है कि संजय गांधी का तो दिल्ली में स्मारक है जबकि पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह का स्मारक भारत में कहीं भी नहीं है जबकि संजय किसी भी बड़े ओहदे पर नहीं रहे थे।

कांग्रेस सरकार में नहीं बना राव का स्मारक

हैरान करने वाली बात यह है कि इन सब नेताओं को तो अंतिम संस्कार के बाद उनकी यादगार के रूप में स्मारक मिला लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव जो पांच साल तक चलने वाली किसी कांग्रेसी सरकार के पहले गैर-गांधी प्रधानमंत्री थे, दिल्ली में उनके स्मारक के लिए कोई जगह नहीं दी गई। यहां तक कि नरसिम्हा राव के शव को कांग्रेस दफ्तर में लोगों के अंतिम दर्शन के लिए रखने की अनुमति भी नहीं दी गई। नरसिम्हा राव का अंतिम संस्कार हैदराबाद में किया गया। मोदी सरकार ने राव के लिए दिल्ली में ज्ञान भूमि नाम से स्मारक बनवाया।

महिलाओं पर झूठे मामले दर्ज कराने पर भाजपा ममता को जेल भेजेगी: शुभेंदु

पश्चिम बंगाल: भाजपा सत्ता में आने पर संदेशखली मामले की जांच के लिए एक आयोग का गठन करेगी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने पर भाजपा संदेशखली में हुए अत्याचारों की जांच के लिए एक आयोग का गठन करेगी और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को जेल भेजेगी। भाजपा नेता अधिकारी ने यह बयान संदेशखाली में दिया।

ज्ञात हो कि एक दिन पहले सीएम ममता ने इस इलाके का दौरा किया था। संदेशखली में भाजपा के एक आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभेंदु ने सीएम ममता पर शाहजहां शेख जैसे स्थानीय टीएमसी नेताओं के खिलाफ विरोध करने के लिए लोगों को दंडित करने के लिए 2024 के चुनावों से पहले क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि बेनर्जी ने लोगों से कहा है कि जो कुछ भी हुआ है उसे भूल जाएं, संदेशखली के लोग इसे नहीं भूलेंगे। मैं भी नहीं भूलूंगा। अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है, तो संदेशखली घटनाओं की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपने संदेशखली की महिलाओं को फंसाया था और जेल भेजा था, महिलाओं के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कराने पर भाजपा आपको भी जेल भेजेगी। शुभेंदु ने कहा कि हम कानून के आधार पर बदला लेंगे। फरवरी 2024 में संदेशखाली में कुछ स्थानीय टीएमसी नेताओं पर आरोप लगे थे कि उन्होंने महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था और जमीन हड़प लिया था। इस घटना का जिक्र करते हुए सीएम ममता ने सोमवार को कहा, मुझे पता है कि इसके पीछे एक बड़ा खेल था और इसमें पैसे प्रभाव भी था।

सदी की चौथाई तक का सफर

इक्कीसवीं सदी का 25वां साल शुरू हो गया। सबको बधाई! मंगल शुभकामनाएं! वर्ष 2025 समाप्त होगा तो यह सदी एक चौथाई गुजर चुकी होगी। इतिहास में इस बात का कोई प्रमाण नहीं मिलता है कि धरती के इंसानों ने किसी और सदी का इतना इंतजार किया हो। सदियां आती थीं और चली जाती थीं। परंतु 21वीं सदी की प्रतीक्षा और उसके लिए तैयारियां बहुत पहले शुरू हो गई थी। भारत में 1984 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने और उनके सहयोगियों ने कहा कि वे भारत को 21वीं सदी में ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले दिनों जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह गुजरे तो कहा गया कि 1991 में जब वे वित्त मंत्री बने थे तब उन्होंने भारत को ज्यादा मजबूती के साथ 21वीं सदी में जाने के लिए तैयार किया। अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में भी कहा जाता है कि 1998 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम बनाया। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सदी की चुनौतियों से आगे सहस्त्राब्दी यानी अगले एक हजार साल की बात कर रहे हैं और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

सवाल है कि क्या 21वीं सदी के इस मुकाम पर भारत वही है, जो संचार क्रांति के जरिए राजीव गांधी या अर्थ क्रांति के जरिए मनमोहन सिंह या परमाणु परीक्षण और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के जरिए अटल बिहारी वाजपेयी बनाना चाहते थे और क्या नरेंद्र मोदी के अमृत काल की नीतियां भारत को इस सहस्त्राब्दी में सबसे महान बना देंगी? बहुत गहरे अतीत और विस्तृत भविष्य के प्रिज्म में इन सवालों को देखेंगे तो उसका दायरा बहुत बड़ा हो जाएगा। तब भी आकलन का आधार यही होना चाहिए कि अलग अलग प्रधानमंत्रियों ने भारत को जिस चीज के लिए तैयार किया उसे हम हासिल कर पाए या नहीं। इसी आधार पर यह आकलन किया जा सकता है कि भारत किस मुकाम पर है और यहां से इसका आगे का सफर कैसा हो सकता है।

यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि भारत को 21वीं सदी में लाने की जितनी तैयारियां हुई थीं उसके अनुपात में हम बहुत कुछ हासिल नहीं कर पाए। संचार क्रांति की तमाम चचाओं के बावजूद हम उस क्रांति के वाहक नहीं बन सके। हम उस क्रांति से पैदा हुए उत्पादों के उपयोक्ता भर हैं। सोचें, पिछले साल की संचार क्रांति पर! पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई की उपलब्धियों से चमत्कृत है लेकिन इस क्रांति में भारत कहां है? भारत में एआई के इस्तेमाल से ठगी की जा रही है और नेता बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर एआई से जेनरेट करके अपने को आशीर्वाद दिलवा रहे हैं ताकि चुनाव में दलित वोट हासिल कर सकें। जिस तरह हम कंप्यूटर के उपयोक्ता हुए, टेलीफोन, मोबाइल फोन और इंटरनेट के हुए उसी तरह एआई के भी उपयोक्ता होंगे। हम आर्टिफिशयल इंटेलीजेंस का कोई अपना उत्पाद नहीं बनाएंगे, जिसे दुनिया इस्तेमाल करे। दुनिया में बनने वाले उत्पादों का हम इस्तेमाल करेंगे। पिछले 24 साल में हम तकनीकी उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार बन गए हैं क्योंकि हमारी आबादी 140 करोड़ है। यह स्थिति तब तक नहीं बदलेगी, जब तक शोध और विकास पर खर्च नहीं बढ़ेगा। दुर्भाग्य से भारत में न तो सरकारों की मंशा शोध पर खर्च करने की है और न भारत के उद्यमियों में इतना साहस और इतनी दूरदृष्टि है कि वे शोध पर खर्च करें। इसका नतीजा यह है कि हमारी तकनीकी उपलब्धियों का जो है शिखर है यानी इसरो, उसे भी चार हजार किलो वजन से ज्यादा का उपग्रह अमेरिका के एक उद्यमी इलॉन मस्क के स्पेस स्टेशन से लॉन्च कराना पड़ता है। यह परिघटना पिछले साल यानी 2024 की है। उम्मीद करनी चाहिए कि 2025 में हम उन उपलब्धियों को हासिल करने की ओर बढ़ेंगे, जिन्हें अमेरिका के एक निजी उद्यमी ने अपने विजन, साहस और अपने निवेश के दम पर हासिल किया है। फिलहाल तो संचार और तकनीक की क्रांति की हमारी कुल जमा उपलब्धि यह है कि हमारे यहां 45 करोड़ लोग फेसबुक यूजर हैं और यूट्यूब के रील्स देखने में सबसे ज्यादा घंटे हम लोग गुजारते हैं।

दुनिया के अर्थशास्त्रियों के लिए आर्थिक क्रांति का मतलब भले यह होता है कि उससे आम लोगों की जिंदगी बदल गई, उनका जीवन स्तर बेहतर हो गया, उन्हें अच्छी शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा मिल रही है और उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो गई लेकिन भारत के लिए आर्थिक क्रांति का मतलब है कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में पांच किलो अनाज दिया जा रहा है, 50 करोड़ लोगों के जन धन खाते खुले हैं, जिसके आधार पर उनके आर्थिक समावेशन का दावा किया जा रहा है और इसके बरक्स देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया के किसी दूसरे देश के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है। हाल में दुनिया के जाने माने अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी भारत के दौरे पर आए थे, जिन्होंने भारत में विद्यमान आर्थिक विषमता के बारे में विस्तार से बताया। उनके लौटने के साथ ही भारत के सरकारी अर्थशास्त्री अखबारों में लेख लिख कर यह बताने में जुटे हैं कि पिकेटी गलत थे और उनका आकलन गलत था। बहरहाल, भारत में पिछले साल या यूं कहें कि पिछले कुछ सालों के आर्थिक विकास का कुल जमा हासिल 'मुफ्त की रेवड़ी' वाली योजनाएं हैं, जिनके दम पर चुनाव लड़े और जीते जा रहे हैं।

भारत ने पहला परमाणु परीक्षा 1974 में किया। फिर 1998 में परमाणु परीक्षण के साथ ही परमाणु शक्ति संपन्न देश बन गया और 2008 में अमेरिका के साथ सिविल न्यूक्लियर डील के साथ भारत का अछूतपन भी खत्म हो गया और दुनिया ने इसे परमाणु शक्ति संपन्न देश के तौर पर स्वीकार कर लिया। परंतु क्या उससे भारत की वह प्रतिष्ठा बनी, जो दुनिया के दूसरे परमाणु शक्ति संपन्न देशों की है? क्या अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस या ब्रिटेन की तरह दुनिया में भारत का मान बढ़ा? सामरिक और कूटनीतिक उपलब्धियों के नाम पर हमारा हासिल यह है कि नेपाल और मालदीव जैसे देश चीन के गुण गा रहे हैं। हम इस बात का जश्न मना रहे हैं कि चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद काफी हद तक सुलझा लिया है। लेकिन इस बात की चिंता नहीं हो रही है कि चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हमारे ऊपर क्या असर होगा? चीन इस प्रोजेक्ट पर करीब साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसी तरह वह तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर इस धरती का सबसे बड़ा बांध बना रहा है, जिस पर 13 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगा। सोचें, भारत की सीमा पर सिर्फ दो प्रोजेक्ट पर वह 21 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है! चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शपथ समारोह में शामिल होने का न्योता दिया, जिसे उन्हें ठुकरा दिया है और इस बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका के दौरे पर गए हैं तो भाजपा के नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने कहा है कि उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए न्योते का जुगाड़ करने के लिए भेजा गया है। सोचें, चीन जिस न्योते को अस्वीकार कर रहा है, हम उसकी प्रतीक्षा में पलक पांवड़े बिछाए बैठे हैं!

भारत में एक क्रांति इन दिनों सामाजिक स्तर पर भी हो रही है। छोटे छोटे नेता अपनी राजनीति चमकाने के लिए टेलीविजन स्टूडियो में 'मनुस्मृति' के पन्ने फाड़ रहे हैं या विश्वविद्यालयों में सामूहिक रूप से 'मनुस्मृति' जलाने का आयोजन कर रहे हैं तो दूसरी ओर हर मस्जिद में शिवलिंग खोजने का एक अभियान भी चल रहा है। दुनिया मंगल ग्रह पर बस्ती बसाने के नजदीक पहुंच गई है। ठीक एक हफ्ते पहले 24 दिसंबर को नासा का 'पार्कर सोलर प्रोब' सूर्य के सर्वाधिक नजदीक से गुजरा और उस समय छोटे कार के आकार के उस यान की रफ्तार सात लाख किलोमीटर प्रति घंटे की थी। इस रफ्तार वाले यान को लैंड कराने की तकनीक मिल जाती है तो 10 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मंगल ग्रह पर छह दिन में पहुंचा जा सकेगा। बहरहाल, हमारे प्रधानमंत्रियों ने चाहे जितनी सदिच्छा से अलग अलग क्रांतियों की बुनियाद रखी हो, हकीकत यह है कि हम किसी क्रांति की कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। उलटे हम कई किस्म की प्रतिक्रांतियों के शिकार हो गए हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि नए साल में हम जमीनी वास्तविकताओं पर विचार करेंगे और उस दिशा में आगे बढ़ेंगे, जिसकी ओर बढ़ने का सपना हमारे पुरखे प्रधानमंत्रियों ने देखा था।

वर्ष के दौरान बीएसई का सेंसेक्स आठ फीसदी चढ़ा

शेयर बाजारों में 2024 में बढ़िया मुनाफा निवेशकों की संपत्ति 77.66 लाख करोड़ बढ़ी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति 2024 में 77.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स आठ प्रतिशत से अधिक चढ़ा। विश्लेषकों ने कहा कि इस वर्ष में उतार-चढ़ाव के साथ तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच रस्साकशी देखी गई।

- वर्ष में तेजड़ियों व मंदड़ियों में रस्साकशी देखी गई

दुनिया भर में अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय बाजारों ने बेहतरीन मुनाफा दिया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, वर्ष 2024 बाजारों के लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन फायदेमंद रहा। जनवरी से सितंबर तक निफ्टी लगातार चढ़ता रहा और 26,277.35 के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

खास बातें

- अनिश्चितता के बीच भारतीय बाजारों ने बेहतर रिटर्न दिया
- जनवरी से सितंबर तक निफ्टी लगातार चढ़ता रहा

सेंसेक्स 8.16 फीसदी उछला

इस साल 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5,898.75 अंक यानी 8.16 फीसदी उछला। सेंसेक्स 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 2024 में 77,66,260.19 करोड़ रुपये बढ़कर 4,41,95,106.44 करोड़ रुपये हो गया।

बीएसई में पूंजीकरण 400 लाख करोड़ पहुंचा

इस साल आठ अप्रैल को पहली बार बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 400 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था। पीएल कैपिटल - प्रभुदास लीलाधर के निदेशक (शोध, संस्थागत इक्विटी) अमनीश अग्रवाल ने कहा, साल की शुरुआत में मुद्रास्फीति में कमी, ब्याज दरों में कटौती और भाजपा के फिर से जीत कर आने की उम्मीद में एक मजबूत तेजी देखी गई।

अगस्त में येन कैरी ट्रेड खत्म किया गया

ऐसे में सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। चुनाव परिणाम हालांकि भाजपा के पक्ष में थे, लेकिन पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। ऐसे में बाजार में एक संक्षिप्त गिरावट देखने को मिली। उन्होंने कहा कि इसके बाद अगस्त में 'येन कैरी ट्रेड' को खत्म कर दिया गया, जिसने अस्थिरता के एक और दौर को जन्म दिया।

साल के अंतिम दिन शेयर बाजारों में गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी लगातार जारी रहने और वैश्विक बाजारों के कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार वर्ष 2024 के अंतिम कारोबारी दिन मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 109 अंकों की गिरावट रही जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रहा। सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 109.12 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 0.10 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,644.80 पर बंद हुआ।

इन शेयरों में रहा नफा-नुकसान

मंगलवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टेक महिंद्रा, जोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में गिरावट रही। दूसरी तरफ कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

शाही स्नान पर प्रयागराज की ट्रेनों में सीटें फुल, 29 हजार पहुंचा फ्लाइट का किराया

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 का पहला शाही स्नान पौष पूर्णिमा 13 जनवरी को है, जबकि दूसरा शाही स्नान मकर संक्रांति 14 जनवरी को है। इस मौके पर महाकुंभ में लाखों लोग डुबकी लगाने आएंगे। ऐसे में अभी से शाही स्नान पर प्रयागराज आने वाली तमाम ट्रेनें फुल हो गई हैं। दिल्ली रूट से आने वाली वंदे भारत, राजधानी, प्रयागराज एक्सप्रेस आदि ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट है। वहीं, 12 से 14 जनवरी तक फ्लाइट का किराया भी करीब 15 हजार तक पहुंच गया है। 13 और 14 जनवरी को आयोजित इन स्नान पर्वों के पहले ही दिल्ली, मुंबई और दक्षिण भारत के प्रमुख शहरों से प्रयागराज आने वाली सभी ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट हो गई है। वहीं, मुंबई से आने वाली कामायनी एक्सप्रेस काशी एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक राजेंद्र नगर, महानगरी एक्सप्रेस, रत्नागिरी एक्सप्रेस लोकमान्य तिलक जयनगर, साकेत एक्सप्रेस, पाटलिपुत्र एक्सप्रेस, छपरा एक्सप्रेस, कोलकाता मेल, लोकमान्य तिलक प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस, गोदान एक्सप्रेस, तुलसी एक्सप्रेस की किसी भी श्रेणी में 10 से 12 जनवरी तक कंफर्म बर्थ उपलब्ध नहीं है। इसी तरह राजधानी दिल्ली से प्रयागराज आने वाली दोनों वंदे भारत के साथ डिब्रूगढ़ राजधानी, भुवनेश्वर तेजस राजधानी, संपूर्ण क्रांति, विक्रमशिला एक्सप्रेस, सुहेलदेव एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस, प्रयागराज हमसफर, महाबोधि पूर्वा एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस, रीवा एक्सप्रेस, पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र मेल, एनई एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, जम्मू मेल आदि ट्रेनों में भी 11 और 12 जनवरी को जगह नहीं है। हालांकि, इसमें से कुछ ट्रेनों में 10 जनवरी को जगह उपलब्ध है। ट्रेनों में जगह न होने की वजह से प्रयागराज आने वाले लोग फ्लाइट्स को विकल्प के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, शाही स्नान के मौके पर प्रयागराज आने वाले विमानों का किराया पहले से कई गुना ज्यादा बढ़ गया है। 11 जनवरी को दिल्ली से प्रयागराज का किराया 19,498 रुपये हो गया है।

अगस्त से लेकर सितंबर महीने तक रोजाना जरूर खाएं ये फल

स्वस्थ रहने के लिए ताजे फलों का सेवन करना बहुत जरूरी होता है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व शरीर को हैल्दी रखने का काम करते हैं। इन सुपर फूड्स को मौसम के अनुसार खाना चाहिए। अगर बात अगस्त और सितंबर की करें तो इस मौसम में थोड़ा सा बदलाव होने लगता है। इसी वजह से इन दिनों में लोग बीमार की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। खुद को बीमारियों से बचाने के लिए इन फलों का सेवन जरूर करें।

आइए जानते हैं वह कौन से फल हैं जिनको अगस्त और सितंबर में जरूर खाना चाहिए।

1. आम

आम खाना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।इसमें सैचरेटिड फैट,कोलेस्ट्रोल,सोडियम, विटामिन विटामिन इ-6, विटामिन अ, विटामिन उ और फाइबर भी पाया जाता है। जो लोग अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं उनको मैंगो शेक बनाकर पीना चाहिए।

2. जामुन

जामुन एक बरसाती फल है। इस खट्टा-मीठे फल में कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन,कार्बोहाईड्रेट, प्रोटीन और विटामिन्स होते हैं जो हमें हैल्दी रखते हैं। इसके साथ ही इसमें आयरन, फोलेट, पोटेशियम और विटामिन आदि पोषक तत्वों से भरा होता है। जामुन खाने से पाचन तंत्र मजबूत होता है।

3. अनार

इन दिनों में अनार खाना बहुत फायदेमंह दोता है। अनार खाने शरीर में खून की मात्रा पूरी होने के साथ ही रंगत में भी निखार आता है। अगर बारिश के मौसम में आपको कभी खांसी-जुकाम हो तो अनार जरूर खाएं। इसके अलावा अनार खाने से रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

4. कीवी

खट्टी-मीठी कीवी खाने में जितनी टेस्टी होती है। सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले पौषक तत्व हमें हैल्दी रखते हैं। इसके साथ ही जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर होता है उनको कीवी जरूर खानी चाहिए।

5. नाशपती

नाशपती इस मौसम में पाई जाती है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। इसको खाने से हड्डियां मजबूत होती है। डायबिटीज और दिल के मरीजो को रोजाना नाशपती का सेवन करना चाहिए।

6. चेरीज

चेरीज खाना ज्यादातर लोगों को बहुत पसंद होता है। स्वाद से भरपूर चेरीज में कई पौषक तत्व पाए जाते हैं। इसको खाने से यूरिक एसिड की मात्रा कम होने के साथ ही जोड़ों के दर्द से राहत भी मिलती है।

7. तरबूज

अगस्त के महीने में तरबूज खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। तरबूज में मिठास, पानी और विटामिन ए की मात्रा ज्यादा होती है जो त्वचा और बालों के लिए अच्छा होता है।

इस तरह करें गुड़ का इस्तेमाल, चेहरे पर नहीं रहेगा एक भी दाग-धब्बा!

गुड़ सेहत ही नहीं बल्कि स्किन के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले गुण आयरन, कैल्शियम और पौष्टिक तत्व चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे को दूर करने के साथ ही रंगत निखारने का काम भी करता है। सबसे खास बात गुड़ बालों को मुलायम बनाने में भी यूजफूल है। आज हम आपको गुड़ किस तरह से आपको खूबसूरत बनाने में आपकी मदद करता है।

1. एक्ने और मुंहासों में लाभदायक

चेहरे पर एक्ने और मुंहासों को दूर करे के लिए गुड़ खाए। आप चाहे तो इसका पेस्ट भी चेहरे पर लगा सकते हैं। पेस्ट बनाने के लिए 1 चम्मच गुड़, 1 चम्मच टमाटर का रस, आधा चम्मच नींबू का रस, चुटकीभर हल्दी और थोड़ी गर्म ग्रीन टी मिलाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं।

2. चेहरे की झुर्रियां

उम्र बढ़ने के साथ या फिर किसी और कारण से चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती है। गुड़ में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट चेहरे को रिंकल फ्री रखते हैं। गुड़ को खाने से झुर्रियां कम होने के साथ ही उम्र भी कम लगेगी।

3. खूबसूरत बाल

गुड़ में मुल्तानी मिट्टी, दही और पानी मिलाकर एक पैक बनाएं। इस पैक को बाल धोने से एक घंटा पहले लगा लें। इसके बाद ठंडे पानी से बाल धो लें। ऐसा करने से बाल मुलायम होने के साथ ही चमकदार भी होंगे।

4. स्किन के लिए जरूरी

गुड़ में पाए जाने वाले विटामिन्स और मिनरल्स स्किन के लिए बहुत जरूरी होते हैं। गुड़ खाने से कब्ज से राहत मिलती है। जब आपका पेट साफ होता है स्किन ग्लों करने लगेगी। रोजाना 1 गिलास गुनगुने पानी में गुड़ डालकर रोजाना पीएं।

5. खून साफ करता

गुड़ खाने से खून साफ होने के साथ एनीमिया की समस्या से भी राहत मिलती है। खून साफ होने से पिपंल्स भी नहीं होते।

शादी के दिन चाहिए परफैक्ट लुक तो ट्राई करें ये प्री-वैडिंग ब्यूटी टिप्स

अपनी शादी का दिन हर किसी के लिए खास होता हैं। दूल्हा-दुल्हन शादी से कुछ महीने पहले ही अपनी सेहत व सौंदर्य पर ध्यान देना शुरू कर देते हैं। शादी के दिन दूल्हें से ज्यादा सभी की नजरें दुल्हन पर टिकी होती है इसलिए दुल्हन को शादी से पहले अपनी ब्यूटी को निखारने के लिए काफी प्लानिंग करनी पड़ती हैं। चलिए आज हम आपको शादी से पहले किए जाने वाले कुछ ब्यूटी टिप्स बताते है जिन्हें शादी के 1 महीना पहले ट्राई करना शुरू करेंगे तो शादी के दिन दुल्हन के चेहरे पर नैचुरल ग्लो आएगा।

1. सी.टी,एम

चेहरे पर नियमित क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करें। इससे स्किन पर चमक आएगी व स्किन हमेशा यंग दिखेगी। वहीं क्लींजिंग चेहरे पर मौजूद गंदगी को साफ कर चेहरे के बंद हुए पोर्स को खोलने में मदद करेंगी। टोनिंग के जरिए रोम छिद्रों में कसाव आएगा। मॉइस्चराइज करने से चेहरे पर नमी बनी रहेगी।

2.एक्सफोलिएट

स्किन के डेड सेल्स व ब्लैकहैड्स को दूर करने के लिए त्वचा को एक्सफोलिएट करना जरूरी है। सप्ताह में 2 या 3 बार चेहरा धोने से पहले अपनी त्वचा को एक्सफोलिएट करें। त्वचा को एक्सफोलिएट करने से पहले माइल्ड फेसवॉश का इस्तेमाल करें। इसके बाद होममेड स्क्रबिंग करें। इसके लिए चावल के आटे में गेंहू का आटा मिलाकर स्किन को एक्सफोलिएट करें।

3. फेशियल व हेयर स्पा

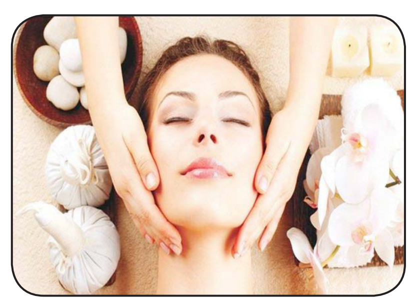

शादी से कम से कम छह महीने पहले ही चेहरे व बालों को स्पा देना शुरू कर दें। महीने में एक बार जरूर अपने बालों व स्किन को स्पा दें। इससे स्किन ग्लोइंग व हेयर शाइनी बनेंगे। किसी भी तरह का कैमिकल्स वाला हेयर स्पा और मास्क इस्तेमाल करने से पैच टेस्ट जरूर लें।

4.क्लीनिंग सेटिंग्स और होममेड उपचार

स्किन पर कई तरह मार्क्स या स्पोट्स हटाने के लिए क्लीनिंग सेटिंग्स आपको जल्दी स्पॉट-फ्री स्किन दिलाने में मदद कर सकती हैं। अगर आपकी त्वचा पैची, सनबर्न पिग्मेंटेशन की वजह से खराब हो गई है तो ऑफिशियल ट्रीटमेंट लें। इसके अलावा आप होममेड फेशियल जैसे मैश की हुई स्ट्रॉबेरी, सेब, पपीते का पैक बना चेहरे पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

2025

•HAPPY•NEW•YEAR•

आप सभी को

नव वर्ष 2025

की हार्दिक शुभकामनाएं

दिलशाद एस. खान

संपादक - दै. मुंबई हलचल

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, महाराष्ट्र अध्यक्ष व प्रभारी (एबीपीएसएस)